बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

बिहार सरकार

आपदा देती सीख यही। लापरवाही ठीक नहीं।।

भगदड़

दशहरा/दुर्गापूजा के अवसर पर सुरक्षा हेतु जरुरी सलाह (ADVISORY)

बिहार में दशहरा/दुर्गा पूजा, छठ के अवसर पर पूजा पंडाल, दशहरा मेला एवं रावण-वध के अवसर पर बच्चों, महिलाओं, युवको एवं वृद्धों की भारी भीड़ होती है। ऐसे में भीड़ प्रबंधन करना प्रशासन के लिए चुनौती भरा काम हो जाता है। परंतु यदि हम सभी अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहें तथा भीड़ प्रबंधन हेतु प्रशासन के निर्देशों का पालन करें तो हम निर्विघ्न इस महान पर्व का आनन्द ले सकते है। आइए हम निम्न सलाह पर अमल कर दशहरा एवं दुर्गापूजा के अवसर पर स्वयं तथा अपने शहर/गाँव को आपदा मुक्त रखें :

जिला प्रशासन क्या करें

- पूजा पंडालों/दशहरा मेले में आगमन एवं निकास की समुचित व्यवस्था (पुरुष एवं महिलाओं के लिए अलग–अलग) यथा बैरिकेडिंग की व्यवस्था।
- चिकित्सा दल एवं एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था।
- बिजली के तारों एवं उपकरणों में सुरक्षा के पूर्ण उपायों की व्यवस्था।
- पार्किंग की समुचित एवं सुचारु व्यवस्था।
- विसर्जन में प्रयुक्त नावों में सुरक्षा संबंधी उपाय एवं गोताखोरों की व्यवस्था।
- भीड़ नियंत्रण के लिए नियंत्रण कक्ष की स्थापना/लाउड स्पीकर से लगातार आवश्यक सूचनाओं की घोषणा।
- मूर्तियों के विसर्जन हेतु घाटों एवं स्थलों को चिन्हित कर लिया जाय।
- आग से बचाव की समुचित व्यवस्था।
- समुचित रोशनी की व्यवस्था ।
- विसर्जन क्रमबद्ध रूप से कराया जाय।
- पूजा पंडालों/मेला या विसर्जन स्थल पर पटाखा आदि का इस्तेमाल न हो।

जिला प्रशासन क्या न करें

- भीड़ को एक जगह एकत्रित न होने दें।
- एक ही ओर से भीड़ को आने और जाने न दिया जाय।
- किसी भी प्रकार की अफवाह न फैलने दिया जाय।
- बिजली के तारों एवं उपकरणों के पास लोगों को न जाने दें।
- किसी भी प्रकार की अराजकता न फैलने दिया जाय।
- मूर्ति विसर्जन के समय नावों में निर्धारित /लदान क्षमता से ज्यादा लोगों को न बैठने दिया जाय।

सामान्य नागरिक क्या करें

- पूजा पंडालों/मेले में चलते–फिरते रहें, अनावश्यक रूप से एक स्थान पर भीड़ न लगाएं।
- यदि आप छोटे बच्चों, महिलाओं, बीमारों या वृद्धों को मेले में लेकर जा रहे हैं तो उनके जेब में (या गले में लॉकेट की तरह) घर का पता और फोन नंबर साथ रखें।
- यदि आप परिवार या समूह के साथ हैं तो किसी आपात स्थिति में मेला क्षेत्र के बाहर मिलने का एक स्थान सुनिश्चित कर लें। एक दूसरे का फोन नंबर साथ रखें।
- भगदड़ के समय संयम पूर्ण व्यवहार करें और घबराएं नहीं।
- किसी भी आपात स्थिति में तत्काल नियंत्रण कक्ष में संपर्क करें।
- अपने बहुमूल्य सामानों की रक्षा स्वयं करें।
- बिजली के तारों और उपकरणों से दूर रहें।
- प्रशासन की ओर से की जाने वाली घोषणाओं को ध्यान से सुनें और उसके अनुसार व्यवहार करें।

सामान्य नागरिक क्या न करें

- किसी भी प्रकार का अफवाह न फैलाएं और न ही उन पर ध्यान दें।
- मेले में साथ लाये बच्चों को अकेला न छोड़ें न ही उन्हें इधर–उधर जाने दें।
- दुर्गा पूजा के मूर्ति विसर्जन में तैराकी न जानने वाले पानी के भीतर न जाएं।
- मेले में किसी भी प्रकार के पटाखे / ज्वलनशील पदार्थ न ले जाएं तथा धूम्रपान न करें।
- मेले में किसी भी प्रकार की अराजकता न फैलाएं।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नालंदा